



Nature Times - Wild India News

18 Jul • 🌐



अजमेर के सोखलिया क्षेत्र में खारमोर पक्षी के संरक्षण के लिए हुआ अहम समझौता

[#indiawithnaturetimes](#) [#wildlifecons](#)...see more

Breaking News

Nature Times संघर्ष समाप्ति

Jaipur

18/07/25

अजमेर के सोखलिया क्षेत्र में खारमोर पक्षी के संरक्षण के लिए हुआ अहम समझौता

राजस्थान जैव विविधता बोर्ड जयपुर और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) के बीच अजमेर जिले के सोखलिया क्षेत्र में दुर्लभ खारमोर (लेसर फ्लोरिकन) पक्षी के संरक्षण हेतु एक महत्वपूर्ण अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। बोर्ड के प्रमुख प्रभारी मुकेश कुमार तिवाड़ी ने बताया कि BNHS को ₹10 लाख का अनुदान मिलेगा, जो अगले दो वर्षों तक इस पक्षी के संरक्षण की योजना तैयार करेगा। खारमोर की संख्या आधुनिक खेती, रसायनों, मशीनरी और भूमि परिवर्तन के कारण तेजी से घट रही है। यह पक्षी किसानों का मित्र माना जाता है क्योंकि यह कीटों और टिड्डियों को खाता है। BNHS स्थानीय समुदाय को जागरूक और प्रशिक्षित करेगा, जैव विविधता पर पुस्तिका तैयार करेगा और क्षेत्र को बायोडायवर्सिटी हेरिटेज साइट घोषित कराने में सहयोग करेगा। यह पहल खारमोर संरक्षण की दिशा में राज. जैव विविधता बोर्ड का अनूठा प्रयास है।



Nature Times

Wild India News

अजमेर के सौखलिया क्षेत्र में खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु

बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी और राज. जैव विविधता बोर्ड के बीच अनुबंध पर हस्ताक्षर

राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर एवं बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) के बीच आज अजमेर के सौखलिया क्षेत्र में खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर के मुख्य प्रबन्धक मुकेश कुमार तिवारी ने जानकारी देते हुये बताया कि इस अनुबंध के तहत राज. जैव विविधता बोर्ड जयपुर, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) को दस लाख रुपए का अनुदान देगा उन्होंने बताया कि खरमोर (लेसर फ्लोरिकन) एक बस्टर्ड प्रजाति का पक्षी है और यह घास व मैदानी इलाकों में विचरण करता है। भारत में इसकी 4 प्रजातियाँ पायी जाती हैं। राजस्थान में खरमोर पक्षी वर्षा ऋतु के दौरान अजमेर जिले के सौखलिया, अराई, सरवाड इलाकों में दिखाई देता है। खरमोर के अंडे मैदानी एवं फ़सली क्षेत्रों में होते हैं। घास बीड़ों के कम होने, भू उपयोग में परिवर्तन, आधुनिक खेती, रसायनों के प्रयोग एवं मशीनीकरण के कारण इसकी संख्या में गिरावट आई है। अतः इस पक्षी के संरक्षण की महती आवश्यकता है। खरमोर किसान मित्र है क्योंकि यह फसलों में होने वाले कीड़े और टिड्डियों को खा जाता है।

इस अनुबंध के तहत बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बी एन एच एस) अजमेर जिले के सौखलिया क्षेत्र में आगामी 2 वर्षों में इसके संरक्षण का प्लान तैयार करेगा, स्थानीय समुदाय को चेतना जागृत कर उन्हें प्रशिक्षित करेगा, इस पक्षी का सर्वे करेगा और लोक जैव विविधता पंजिका तैयार कर इस क्षेत्र को "बायोडाईवर्सिटी हेरिटेज" क्षेत्र घोषित कराने में मदद करेगा।

खरमोर पक्षी के संरक्षण हेतु राज. जैव विविधता बोर्ड का यह अनूठा प्रयास है।